सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशि, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2026-27

कक्षा- आठवीं
विषय - हिंदी

पाठ -6
(श्रीनिवास रामानुजन)

मौखिक प्रश्नों के उत्तर -

बोलकर

(क) रामानुजन गणित के अलावा अन्य विषयों में पीछे रह गए क्योंकि उन्हें गणित से बहुत लगाव था। वह गणित के अलावा अन्य विषयों को पढ़ते ही नहीं थे।

(ख) रामानुजन द्वारा प्रश्न पूछने पर अन्य बच्चे तो प्रश्न को निरर्थक समझकर परिहास बनाने लगे, पर योग्य अध्यापक समझ गए कि रामानुजन क्या पूछना चाहते हैं? असल में वह जानना चाहते थे कि यदि शून्य को शून्य से विभाजित किया जाए तो भी क्या परिणाम एक ही आएगा।

(ग) भास्कराचार्य ने अपने अनुसंधान द्वारा यह प्रमाणित किया कि शून्य को शून्य से विभाजित करने का परिणाम अनंत अनिर्धार्य आएगा।

(घ) रामानुजन अपने सहपाठियों से गणित के प्रश्न सरलता से करने का कारण बताते हुए कहते कि नामक्कल की देवी सपने में आकर उन्हें गणित के सूत्र बताती हैं।

लिखकर

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

(क) श्रीनिवास रामानुजन ने गणित संबंधी ऐसी खोजें कीं जो पहले कभी किसी ने नहीं की थीं। अत: उनके गणित संबंधी कार्यों से उनका नाम देश-विदेश में बड़े-बड़े विद्वानों के साथ लिया जाने लगा।

(ख) श्रीनिवास रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर 1887 को मद्रास के तंजौर जिले के कुंबकोनम में हुआ था। उनके पिता श्रीनिवास आयंगर ब्राह्मण थे।

(ग) अध्यापक ने छात्रों से प्रश्न किया कि यदि हमारे पास तीन केले हों और तीन विद्यार्थी हों तो प्रत्येक विद्यार्थी के हिस्से में कितने केले आएँगे? तभी रामानुजन अपने स्थान से उठे और बोले यदि कोई भी केला किसी को न बाँटा जाए तो भी क्या प्रत्येक विद्यार्थी को एक केला मिलेगा। रामन द्वारा पूछे गए इस प्रश्न का सभी विद्यार्थियों में मज़ाक बनाया।

(घ) जब रामन मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में मद्रास पत्तन के अध्यक्ष की भी गणित में रुचि थी। अत: रामानुजन को यहाँ सहयोग प्राप्त हुआ। अध्यक्ष महोदय ने उन्हें अन्य कार्यों से स्वतंत्र रखा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर–

(क) रामानुजन ने दो-तीन बार 12वीं कक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर पढ़ाई छोड़ दी। हमारे विचार से उनका पढ़ाई छोड़ने का फैसला उचित नहीं था। जो व्यक्ति गणित में कितनी महान खोजें कर सकता है, वह व्यक्ति थोड़े धैर्य और संयम से काम लेता तो अन्य विषयों में भी बहुत अच्छा कर सकता था।

(ख) इस पंक्ति में लेखक कहना चाहते हैं कि रामानुजन को गणित विषय से इतना प्रेम था कि वह इसे एक खेल के सामान लेते थे। जिस तरह खेल में बच्चों को रुचि होती है वैसे ही रामानुजन को गणित के समीकरणों और प्रमेयों को हल करना बुरा नहीं लगता था, बल्कि उसमें उन्हें खेल जैसा ही आनंद प्राप्त होता था।

(ग) हमारे विचार से रामानुजन का यह कहना कि 'नामक्कल की देवी सपने में आकर उन्हें गणित के सूत्र बताती हैं' यह मात्र परिहास में कही गई बात होगी। वह पूरे दिन गणित में ही उलझे रहते थे, अत: रात्रि को भी उन्हें गणित से संबंधित सपने आते होंगे परंतु उन सपनों में भी वे कुछ सवालों के हल खोजा करते होंगे। इसलिए उन्होंने अपने मित्रों को मज़ाक में कहा होगा कि मुझे नामक्कल की देवी सपने में आकर गणित के सूत्र बताती हैं।

(घ) रामानुजन को इंग्लैंड की जलवायु इसलिए रास नहीं आई क्योंकि अधिक सर्दी और प्रतिकूल वातावरण के कारण उनका स्वास्थ्य वहाँ बिगड़ गया। स्वास्थ्य इतना अधिक बिगड़ गया कि उन्हें अस्पताल ले जाया गया, परंतु कोई लाभ न हुआ। इस कारण सन 1919 में प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात रामन भारत वापस आ गए।

पठित गद्यांश

(क) **पाठ**- श्रीनिवास रामानुजन। **लेखक**- अशोक कुमार शर्मा।

(ख) इंग्लैंड में श्रीनिवास रामानुजन का स्वास्थ्य इतना अधिक बिगड़ गया कि पहले तो उन्हें अस्पताल ले जाया गया, किंतु कोई विशेष लाभ न हुआ।

(ग) रामानुजन सन् 1919 में प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात् वापस भारत आ गए, क्योंकि इंग्लैंड में उनका स्वास्थ्य बहुत अधिक बिगड़ गया था।

(घ) बीमारी की परिस्थिति में भी रामानुजन ने संख्याओं से खेलना बंद नहीं किया।

(ङ) रामानुजन की मृत्यु क्षयरोग के कारण 26 अप्रैल, 1920 को 33 वर्ष में हो गई।

अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii) (घ) (iii)
2. (क) देश-प्रेम, असीमित (ख) इंग्लैड, रास
   (ग) संख्याओं, पागल (घ) रामानुजन इंस्टीट्यूट
3. (क) ☑ (ख) ☒ (ग) ☑ (घ) ☒

व्याकरण कलश

1. (क) योग्य अध्यापक समझ गए कि रामन क्या जानना चाहते हैं?
   (ख) कभी विचार आया कि शून्य ही आएगा
   (ग) गणित विषयक ऐसी खोजें उन्होंने कीं जो कि पहले कभी किसी ने नहीं की थी।
   (क) शीघ्र उनके कार्यों की चर्चा विदेशों में भी होने लगी।
   (ख) रामानुजन ने दो-तीन बार बारहवीं की परीक्षा दी।
   (ग) वे प्रात: उठते ही गणित की समस्याओं को लेकर बैठ जाते।

2. (क) गणितज्ञ (ख) निरर्थक (ग) असीमित (घ) बाल्यावस्था
(ङ) भविष्यवक्ता (च) शाकाहारी

3. (क) अयोध्या का **राज** पाट भरत ने सँभाला।
इस बात को **राज़** ही रहने दो।
(ख) साँप अपना **फन** फैलाकर बैठ गया।
वह संगीत के **फ़न** में उस्ताद है।
(ग) दीपावली पर सारा शहर **सजा** दिया गया।
राजा ने चोर को जेल की **सज़ा** सुनाई।